भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3846

11.12.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

'आसियान' छात्रों को पीएचडी फेलोशिप

3846. डॉ. टी. आर. पारिवेन्धर:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में अपनी 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के छात्रों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में पूर्ण वित्तपोषित पीएचडी फेलोशिप कार्यक्रम की शुरूआत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त डिग्रियां प्रदान करने के पीछे सरकार की मंशा और उद्देश्य क्या हैं और इस परियोजना पर कुल व्यय कितना है और प्रतिवर्ष पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या कितनी है;

(ग) उक्त कार्यक्रम में शामिल/ शामिल होने हेतु प्रस्तावित 'आसियान' देशों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या यह पीएचडी फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी, 2018 में दिल्ली में हुए आसियान भारत शिखर सम्मेलन की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के हिस्से के रूप में चलाया जा रहा है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) से (ङ) 25 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित आसियान-भारत 25 वीं वार्षिक स्मारक शिखर बैठक के दौरान प्रधान मंत्री ने भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में अध्ययन हेतु सभी 10 आसियान देशों से छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए 1000 एकीकृत पीएचडी फेलोशिप की घोषणा की थी। तदनुसार, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने प्रधान मंत्री की घोषणा के अनुसार 16 सितंबर, 2019 को इस कार्यक्रम को औपचारिक रूप से आरंभ किया। इस फेलोशिप कार्यक्रम के लिए आईआईटी दिल्ली राष्ट्रीय समन्वयक है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सात वर्षों की अवधि के लिए इस कार्यक्रम हेतु 300 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय का अनुमोदन किया है। यह फेलोशिप कार्यक्रम तीन बैचों में आयोजित किया जाएगा। पहले वर्ष में, इस कार्यक्रम के तहत 250 फेलोशिप प्रदान की जाएगी। दूसरे और तीसरे वर्ष में 300 और 450 तक फेलोशिप प्रदान की जाएगी।

दाखिल किए गए छात्रों को यथा लागू वार्षिक अनुसंधान अनुदानों सहित उसी दर पर फेलोशिप प्रदान की जाएगी जिस दर पर भारतीय छात्रों को प्रदान की जाती है। आईआईटी निर्वाह खर्च वहन करने के लिए अपने संसाधनों से प्रावधान करेंगे।

यह फेलोशिप कार्यक्रम आसियान देशों में मानव संसाधनों के विकास में योगदान करके आसियान-भारत संबंधों को मजबूत करेगा। यह हमारे सभी भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र विविधता में वृद्धि करते हुए आईआईटी के अनुसंधान परितंत्र को भी मजबूत करेगा जिससे विश्व स्तर पर आईआईटी की व्यापक पहचान बनाने में योगदान मिलेगा।

***